



1. झूला

अम्मा आज लगा दे झूला,
इस झूले पर मैं झूलूँगा।
इस पर चढ़कर, ऊपर बढ़कर,
आसमान को मैं छू लूँगा।



झूला झूल रही है डाली,
झूल रहा है पत्ता-पत्ता।
इस झूले पर बड़ा मज़ा है,
चल दिल्ली, ले चल कलकत्ता।

झूल रही नीचे की धरती,
उड़ चल, उड़ चल,
उड़ चल, उड़ चल।
बरस रहा है रिमझिम, रिमझिम,
उड़कर मैं लूटूँ दल-बादल।

क्ष क्ष क्ष





झ

ल

ड

झूले ही झूले

बताओ, इनमें किन चीजों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो?



टायर



फाटक



झाड़ू



दरी



डाली



मेज़



पैर वाला झूला



अलमारी

मुझे पर झूलने में मज़ा आता है।

मुझे पर झूलने में डर लगता है।

मुझे पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

तुम इन झूलों पर भी झूले होगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?

मेला स्कूल पार्क
घर का आँगन बगीचा

.....

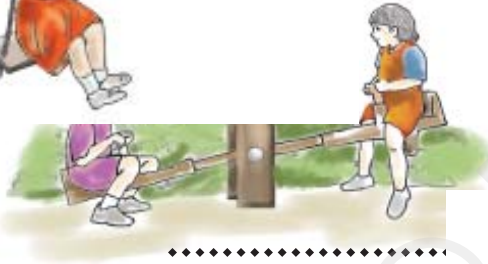
.....



.....



.....



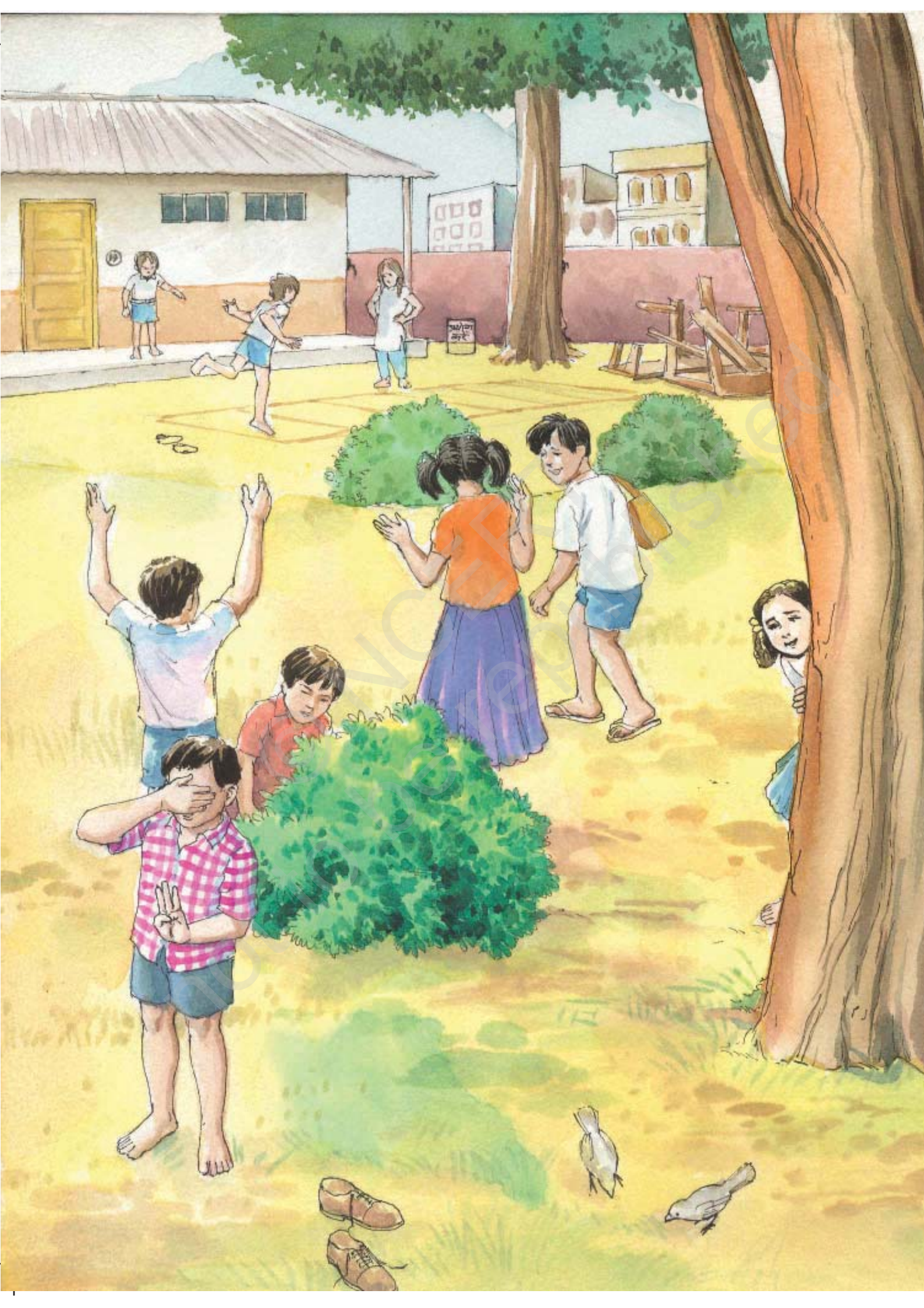
.....

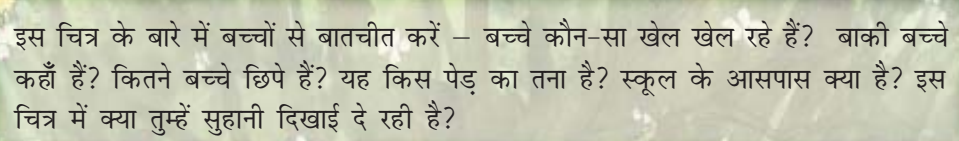


.....

झूले से सुहानी को क्या-क्या दिख रहा होगा?









मिलाओ



ठेला



झूला

पेड़



गठरी

खाली जगह भरो और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।



.....पेड़..... के पीछे



..... के नीचे



..... के नीचे



..... के पीछे





पकड़न - पकड़ाई



छ

इ



ठ

म

न

अ

छ



ऊपर बनी चीज़ों के नाम उन अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		



यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज़ का नाम भी तुमने दो बार लिखा है?

.....